Date
29/04/2021
Thursday.

E-content details

Name — Sri Gangadhar
Designation — Assistant professor (Maths)
mobile no. 8416915365
college name — T.N.A.T.T.C, Harigaon.
course name — B.Ed 1st year (2020-22).
Subject name — Pedagogy of mathematics.
Topic — "Difference between Analytic Synthetic methods"

विश्लेषण तथा संश्लेषण विधि में अन्तर :—

(Difference between Analytic and Synthetic method)

विश्लेषण विधि :-

1- इस विधि में छात्रों को नवीन ज्ञान प्राप्त करने के अवसर मिलते हैं।
2- इस विधि द्वारा छात्रों में आत्मनिर्भरता तथा आत्म विश्वास का विकास होता है।

संश्लेषण विधि :-

1- इसमें छात्रों को पहले से तैयार सामग्री उपलब्ध हो जाती है जिससे उन्हें अधिक परिश्रम नहीं करनी पड़ती है।
2- इसमें आत्मनिर्भरता तथा आत्मविश्वास की कमी रहती है, क्योंकि छात्र समस्याओं का हल स्वयं नहीं खोजता है।

Scanned with CamScanner

3- इस विधि से समस्याओं को शीघ्र एवं स्वच्छता से हल करना नहीं सीख सकते हैं।	3- इस विधि द्वारा समस्याओं को शीघ्रता, स्वच्छता और सफलता से हल पायुक्त रूप से किया जाता है।
4- इस विधि द्वारा इस बात का स्पष्ट उत्तर मिलता है कि रचना का कोई पद या उपपत्ति का कोई पद क्यों लिया गया है।	4- इस विधि द्वारा केवल यह प्रदर्शित किया जाता है कि उपपत्ति या रचना का प्रत्येक पद सही है, परन्तु सही क्यों है? यह बात स्पष्ट नहीं होता है।
5- विश्लेषण का अर्थ किसी समस्या को उसके विभिन्न भागों में विभाजित करना है।	5- संश्लेषण का अर्थ है समस्या के छोटे-छोटे भागों को एकत्रित करके निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ना।
6- इस विधि के द्वारा खोज करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलता है।	6- इसमें खोजे गये तथ्यों को संक्षेप में लिखा जाता है।
7- इस विधि में अज्ञात (Unknown) से ज्ञात की ओर चलते हैं।	7- इसमें ज्ञात से अज्ञात की ओर चलते हैं तथा समस्या में दी गई बातों को आधार मानकर निष्कर्ष प्राप्त करते हैं।

Scanned with CamScanner

8- इस विधि में छात्रों को अपनी मानसिक शक्तियों का पूर्ण उपयोग करने का अवसर मिलता है।

8- इस विधि में बालकों की मानसिक शक्ति के उपयोग में कोई अवसर नहीं मिलता है। इस विधि के द्वारा छात्रों में रटने की आदत पड़ती है।

9- इस विधि में शिक्षण तथा छात्र दोनों ही सक्रीय रहते हैं।

9- इस विधि में छात्र निष्क्रीय तथा शिक्षक का चिन्तन क्रियाशील रहता है।

10- विश्लेषण विधि एक दोषी विधि है।

10- संश्लेषण विधि एक सूक्ष्म विधि है।

11- इस विधि में परिश्रम तथा समय दोनों ही अधिक लगता है।

11- इस विधि में कम परिश्रम तथा समय से ही काम चल जाता है।

Scanned with CamScanner